



CCSEA ने आवारा कुत्तों को वैक्सीन परीक्षण से बाहर रखा

[स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया](#)

हाल ही में भारत में जानवरों पर अनुप्रयोगों के नयित्रण और पर्यवेक्षण के लिये समिति (CCSEA) ने वैक्सीन परीक्षणों में आवारा कुत्तों को शामिल करने की अपनी सफारिश वापस ले ली है।

- पीपल फॉर द एथिकल ट्रीटमेंट ऑफ एनमिलस (PETA) इंडिया ने अनुसंधान में आवारा कुत्तों पर अनुप्रयोग के वैज्ञानिक और नैतिक प्रभावों के संबंध में चिंता व्यक्त की, जिसके कारण यह नरिणय लिया गया।

आवारा कुत्तों पर वैक्सीन परीक्षण अनुप्रयोग की CCSEA की सफारिश को लेकर चिंताएँ:

- PETA ने इस बात पर जोर दिया कि वैक्सीन परीक्षणों में आवारा कुत्तों को शामिल करने की CCSEA की सफारिश [पशु क्रूरता नविवरण अधिनियम, 1960](#) तथा [पशुओं के प्रजनन और अनुप्रयोग \(नयित्रण एवं पर्यवेक्षण\) संशोधन नयिम, 2006](#) के तहत उसके दायित्वों का खंडन करती है।
 - साथ ही इसमें बताया गया है कि आवारा कुत्तों पर अनुप्रयोग करने की सफारिश विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के समकक्षों- यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया द्वारा अपनाई गई नीतियों के विपरीत है।
- PETA इंडिया के अनुसार, आवारा कुत्तों पर अनुप्रयोग करने से यह अनुमान लगाना असंभव हो जाता है कि मनुष्य टीकों पर कैसे प्रतिक्रिया करेंगे, जिससे कुशल उपचारों के अनुमोदन में देरी हो सकती है।
 - इस सफारिश को वापस लिया जाना पशु कल्याण, उनकी सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रगति को बढ़ावा देने की दृष्टि में एक सकारात्मक प्रगति का प्रतिनिधित्व करती है।

नोट: PETA इंडिया पशु अधिकार संगठन है। यह एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) है जो व्यवसाय और समाज में पशु दुर्व्यवहार को समाप्त करने के लिये कार्य करता है।

- **PETA इंडिया का मशिन:** पशु क्रूरता के विषय में जागरूकता बढ़ाना, नीति निर्माताओं और जनता को शिक्षित करना तथा सभी जानवरों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देना।

पशुओं पर अनुप्रयोग संबंधी नयित्रण और पर्यवेक्षण समिति

- **परिचय:**
 - CCSEA पशु क्रूरता नविवरण (PCA) अधिनियम, 1960 के तहत गठित पशुपालन और डेयरी विभाग (DAHD), मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय (MoFAH) की एक वैधानिक समिति है।
- **प्रकार्य:**
 - पशुओं को उन पर प्रयोगों से पहले, उसके दौरान अथवा उसके बाद अनावश्यक कष्ट अथवा पीड़ा का सामना न करना पड़े यह सुनिश्चित करने हेतु CCSEA द्वारा सभी उचित कदम उठाए जाते हैं।
 - इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु समिति ने पशुओं पर प्रयोग को वनियमिति करने के लिये पशुओं के प्रजनन एवं प्रयोग (नयित्रण और पर्यवेक्षण) नयिम, 1998 (2001 एवं 2006 में संशोधित) की रूपरेखा तैयार की।
 - उपरोक्त नयिमों के प्रावधानों के तहत चिकित्सा अनुसंधान, प्रयोगशाला में पशुओं के प्रजनन एवं उनके व्यापार से संबंधित प्रतष्ठानों को CPCSEA के साथ स्वयं का पंजीकरण कराना आवश्यक है।

पशु क्रूरता नविवरण अधिनियम, 1960:

- यह भारत की संसद द्वारा पारित एक अधिनियम है जो पशुओं को अनावश्यक कष्ट अथवा पीड़ा पहुँचाने से रोकने का प्रावधान करता है।
 - वर्ष 1960 के अधिनियम ने वर्ष 1890 के अधिनियम का स्थान लिया, जो कभूल रूप से पारित किया गया था।
- यह अधिनियम पशुओं से संबंधित कूरता, अनावश्यक कष्ट, अत्यधिक श्रम, यातना, दुर्व्यवहार की रोकथाम और सुरक्षा का प्रावधान करता है।
 - भारतीय पशु कल्याण बोर्ड की स्थापना भी इस अधिनियम के तहत की गई थी।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/ccsea-withdraws-stray-dogs-from-vaccin-trials>

